संधि

Dr. Kamble Jotsna

संधि की परिभाषा

- पास-पास स्थित पदों के समीप विद्यमान वर्णों के मेल से होने वाले विकार को संधि कहते हैं। संधि के तीन भेद होते हैं- स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि।

- संधि के उदाहरण –हिमालय = हिम + आलय, सत् + आनंद =सदानंद।

- सन्धि – **Sandhi**
- (दीर्घ, गुण, यण, अयादि में से किन्हीं तीन सन्धियों से सम्बन्धित शब्दों का सन्धि-विच्छेद) – सन्धि की परिभाषा–परः सन्निकर्षः संहिता (पा० 1/4/109)। सन्धि का सामान्य अर्थ है-'मेल' या 'मिलाना'। जब दो शब्द पास-पास आते हैं तो एक-दूसरे की निकटता के कारण पहले शब्द के अन्तिम वर्ण तथा दूसरे शब्द के प्रथम वर्ण में अथवा दोनों में कुछ परिवर्तन हो जाता है। इस प्रकार होनेवाले परिवर्तन (विकार) को 'सन्धि' कहते हैं; जैसे—'हिम' और 'आलय' में हिम के अन्तिम स्वर वर्ण 'अ' तथा आलय के प्रथम स्वर वर्ण 'आ' के मिलने से हिमालय रूप बना।

संधि के भेद

1. स्वर-सन्धि, – Swar Sandhi
2. व्यञ्जन-सन्धि, – Vyanjan Sandhi
3. विसर्ग-सन्धि। – Visarg Sandhi

1. स्वर-सन्धि – SWAR SANDHI

- परिभाषा-स्वरों का स्वरों के साथ मेल होने पर उनमें जो ध्वनि सम्बन्धी परिवर्तन होता है, उसे 'स्वर-सन्धि' कहते हैं।

- भेद- स्वर सन्धि के मुख्य रूप से पाँच भेद होते हैं-
- दीर्घ सन्धि,
- गुण सन्धि,
- यण सन्धि,
- अयादि सन्धि,
- वृद्धि सन्धि।।

स्वर संधि

- स्वर संधि में, एक शब्द के अंतिम स्वर और अगले शब्द के पहले स्वर का मेल होता है। इस प्रकार के संधि में स्वरों का अद्यतन होता है और शब्दों की एकता को स्थापित किया जाता है।

- उदाहरण के लिए, "गुरु + उच्चारण" शब्द में "गुरुच्चारण" बन जाता है।

व्यंजन संधि

- व्यंजन संधि में, एक शब्द के अंतिम व्यंजन और अगले शब्द के पहले व्यंजन का मेल होता है। इस प्रकार के संधि में व्यंजनों का अद्यतन होता है और शब्दों का मेल होता है।

- उदाहरण के लिए, "राम + ईश्वर" शब्द में "रामीश्वर" बन जाता है।

इतर संधि

- इतर संधि में, दो शब्दों का मेल होता है लेकिन न तो स्वरों का अद्यतन होता है और न ही व्यंजनों का। इस प्रकार के संधि में दो शब्दों का केवल युग्मन अद्यतन होता है।

- उदाहरण के लिए, "आग + लगाना" शब्द में "आगलगाना" बन जाता है।

संधि विच्छेद के उदाहरण

- इस अनुभाग में हम कुछ संधि विच्छेद के उदाहरणों की बात करेंगे। यहां कुछ प्रसिद्ध उदाहरण दिए गए हैं:

1. राम + आयण = रामायण
2. बात + चीत्र = बातचीत्र
3. जल + उद्धारण = जलउद्धारण
4. सूरज + अस्त = सूर्यास्त
5. प्रेम + पात्र = प्रेमपात्र

संधि विच्छेद के लाभ

- संधि विच्छेद का प्रयोग करने से भाषा को कठिनाइयों से मुक्त करके उच्चारण को सुगम बनाया जा सकता है। इससे भाषा की सुंदरता बढ़ती है और शब्दों का उच्चारण सही होता है। संधि विच्छेद के प्रयोग से शब्दों का मेल होने के कारण वाक्य की रचना स्पष्ट होती है और उसका अर्थ स्पष्ट होता है।
- माँ उद्धरण हिंदी में |

संधि विच्छेद के नियम

- संधि विच्छेद के कुछ महत्वपूर्ण नियम होते हैं जिन्हें ध्यान में रखना आवश्यक है। यहां कुछ महत्वपूर्ण नियम दिए गए हैं:

- द्वंद्व संधि: जब दो शब्द एक साथ आते हैं और संधि विच्छेद का नियम लागू होता है, तब उनमें से पहले शब्द का आदिकाल अपनाना चाहिए। उदाहरण के लिए, "सुबह + शाम" शब्द में "सुबह और शाम" लिखा जाना चाहिए।

- उपसर्ग संधि: जब उपसर्ग के बाद शब्द आते हैं और संधि विच्छेद का नियम लागू होता है, तब उपसर्ग को पूर्णता सहित रखना चाहिए। उदाहरण के लिए, "अन + देखना" शब्द में "अनदेखना" लिखा जाना चाहिए।

- गुण संधि: जब दो वर्ण आपस में मिलकर एक ही वर्ण बना देते हैं, तब उन्हें एकदिवस्य द्विगु रूप में लिखना चाहिए। उदाहरण के लिए, "लाल + आकार" शब्द में "लालाकार" लिखा जाना चाहिए।